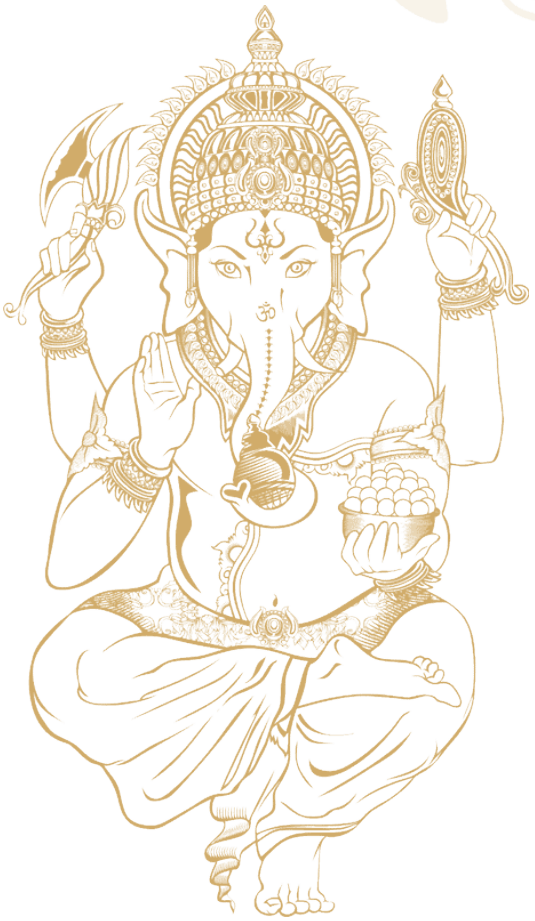

Lakshya

Rishika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121114102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/10/1993	जन्म तिथि	07/12/1996
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:56:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 16:51:03	जन्म समय(घटी)	28:24:14 घटी
India	देश	India
Morena	स्थान	Siliguri
26:30:00 उत्तर	अक्षांश	26:42:00 उत्तर
78:04:00 पूर्व	रेखांश	88:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:44	स्थानिक संस्कार	00:23:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:11:34	सूर्योदय	06:12:14
18:01:04	सूर्यास्त	16:43:27
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:52

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 5मा 18दि	15:40:51	धनु	लग्न	मिथु	14:10:26	राहु 11वर्ष 11मा 7दि
राहु	17:18:47	कन्या	सूर्य	वृश्चि	21:53:05	शनि
23/03/2018	25:41:21	मेष	चंद्र	तुला	11:09:31	14/11/2024
23/03/2036	11:06:57	तुला	मंगल	सिंह	25:40:53	15/11/2043
राहु 04/12/2020	10:29:43	तुला	बुध	धनु	10:22:21	शनि 18/11/2027
गुरु 29/04/2023	28:13:17	कन्या	गुरु	धनु	25:53:21	बुध 28/07/2030
शनि 05/03/2026	21:46:50	सिंह	शुक्र	तुला	24:06:18	केतु 06/09/2031
बुध 21/09/2028	00:20:03	कुंभ व	शनि	मीन	06:48:33	शुक्र 05/11/2034
केतु 10/10/2029	10:22:36	वृश्चि व	राहु व	कन्या	11:40:37	सूर्य 18/10/2035
शुक्र 10/10/2032	10:22:36	वृष व	केतु व	मीन	11:40:37	चन्द्र 19/05/2037
सूर्य 03/09/2033	24:28:25	धनु	हर्ष	मक	08:13:07	मंगल 27/06/2038
चन्द्र 05/03/2035	24:36:24	धनु	नेप	मक	02:10:46	राहु 03/05/2041
मंगल 23/03/2036	29:59:58	तुला	प्लूटो	वृश्चि	09:40:27	गुरु 15/11/2043

लग्न-चलित

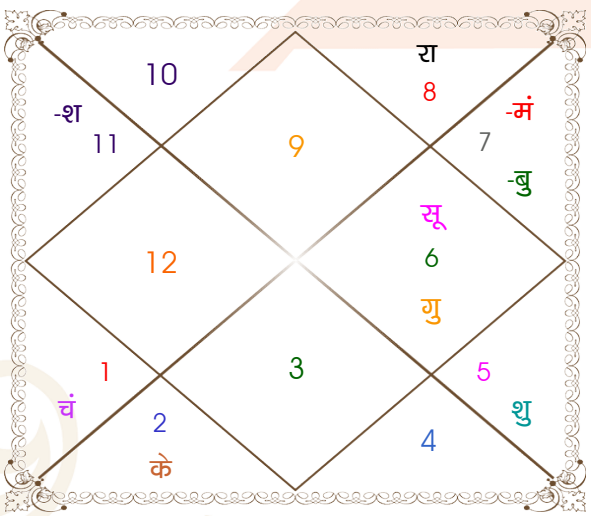

लग्न-चलित

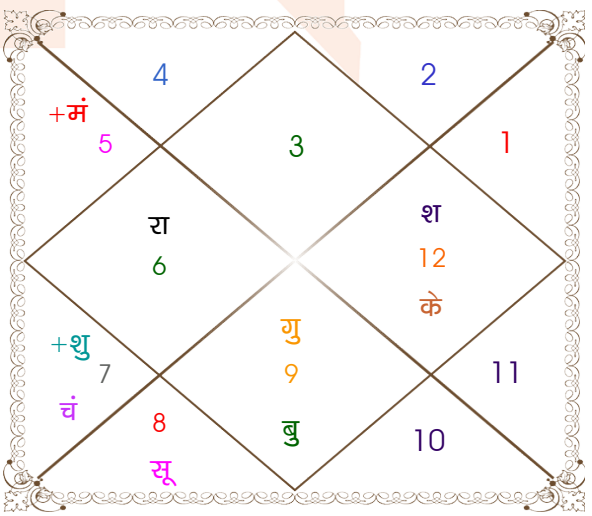

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Lakshya का वर्ग मृग है तथा Rishika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Lakshya और Rishika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Lakshya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Rishika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Lakshya तथा Rishika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।